"छत्रपति शिवाजी के जीवन पर आधारित नाटकों का समीक्षात्मक अध्ययन"

पी–एच0डी0 (संस्कृत) उपाधि हेतु

प्रस्तावित शोध–प्रबन्ध की रूपरेखा

शोध निर्देशिका

डॉ0 शुचि अग्रवाल

एसोसिएट प्रोफेसर

एस0डी0(पी0जी0) कॉलिज मुजफ्फरनगर ,उ0प्र0

शोधार्थी

पवन कुमार

संस्कृत विभाग

एस0डी0 (पी0जी0) कॉलिज, मुजफ्फरनगर

(सम्बद्धता– चौ0 चरण सिंह विश्वविद्यालय,मेरठ)

2018

Scanned by CamScanner

"छत्रपति शिवाजी के जीवन पर आधारित नाटकों का समीक्षात्मक अध्ययन"

'काव्येषु नाटकं रम्यम्' अर्थात् काव्यों में नाटक सुन्दरतम् है तथा नाटक की लोकप्रियता अथवा रमणीयता का प्रमुख कारण रसानुभूति है। नाटक किसी वर्ग–विशेष या जाति–विशेष का नहीं वरन् सभी वर्गों द्वारा अभिनेय और दर्शनीय होता है। प्राचीन काव्य विधाओं में सभी वर्गों द्वारा अभिनेयतादि सम्भव नहीं है। इन अन्य काव्य–विधाओं में स्थान अन्विति कठिन ही नहीं वरन् असम्भव भी है। अतः पठन–पाठन या श्रवण क्रिया द्वारा अग्राह्य घटना का ज्ञान भी अभिनय द्वारा ग्राह्य हो जाता है।

जग्राह पाठ्यं ऋग्वेदात्सामभ्यो गीतमेव च।

यजुर्वेदादभिनयान् रसानाथर्वणादपि।।

नाटक की रचना में ऋग्वेद से पाठ्य, सामवेद से गीत, यजुर्वेद से अभिनय और अथर्ववेद से रसों का ग्रहण किया गया है।

नाटक परम्परा का प्रारम्भ महाकवि भास से माना जाता है। भास ने सुप्रसिद्ध 13 नाटकों की रचना की, इसके पश्चात् महाकवि कालिदास, शूद्रक, विशाखदत्त, भवभूति आदि नाटककारों की लम्बी परम्परा रही है, तब से लेकर आधुनिक काल तक भी यह नाट्य परम्परा जीवन्त बनी हुई है। यह बात अलग है कि आधुनिक काल में लिखे जाने वाले नाटक सम्यक् रूप से प्रकाश में नहीं आ पाते हैं।

तत्काल से प्रारम्भ होने वाली यह नाट्य परम्परा आधुनिक काल तक भी जीवित है। अनेकानेक ऐतिहासिक तथा आधुनिक चरित्रों को आधार बनाकर निरन्तर साहित्य रचना की जा रही है।

Scanned by CamScanner

इसमें यदि छत्रपति शिवाजी के जीवन पर आधारित साहित्य पर विचार किया जाए तो सम्भवतः कोई भी काव्य, महाकाव्य, गीतिकाव्य, नाटक, आदि आधुनिक काल से पूर्व प्राप्त नहीं होते हैं।

आधुनिक संस्कृत साहित्य पर दृष्टिपात् करने से ज्ञात होता है कि छत्रपति शिवाजी के जीवन पर आधारित निम्न नाटक प्राप्त होते हैं:—

1. छत्रपतिसाम्राज्यम्
2. शिवाजीचरितम्
3. शिवराजाभिषेकम्
4. अबदलमर्दनम्
5. छत्रपतिः श्रीशिवराजः
6. छत्रपतिचरितम्

वर्तमान में प्रथम चार नाटक तो उपलब्ध हैं, किन्तु छत्रपतिः श्रीशिवराजः और छत्रपतिचरितम् अब उपलब्ध नहीं हैं।

प्रथम दृष्टया नाटकों में नाटककारों द्वारा पात्र, स्थान एवं काल के विषय में विभिन्न मतभेद दृष्टिगत होते हैं। शोधार्थी द्वारा **"छत्रपति शिवाजी के जीवन पर आधारित नाटकों का समीक्षात्मक अध्ययन"** शोध प्रबन्ध हेतु प्रस्तावित है।

शोध–विषय का महत्त्व एवं औचित्य

छत्रपति शिवाजी के जीवन पर आधारित नाटक स्वतन्त्रता प्राप्ति से पूर्व बीसवीं शताब्दी में रचित अद्भुत नाटक हैं। इन नाटकों का संक्षिप्त परिचय इस प्रकार है—

Scanned by CamScanner

छत्रपतिसाम्राज्यम् के रचियता मूलशंकर माणिक्यलाल याज्ञिक हैं। यह नाटक सन् 1929 में लिखा गया। इसका प्रकाशन सन् 1929 में श्री बड़ौदा प्रिन्टिंग प्रेस, बड़ौदा से प्रकाशित हुआ। यह संस्करण आज उपलब्ध नहीं है। सन् 1977 ई0 में इसका पुनः प्रकाशन देवभाषा प्रकाशन दारागंज इलाहबाद से हुआ। यह संस्करण सहज उपलब्ध है। मूलशंकरनाट्यत्रयी (संयोगितास्वंयवरम् छत्रपतिसाम्राज्यम् और प्रतापविजयम्) सम्पादक राजेन्द्र नाणावटी, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान मानित विश्वविद्यालय, दिल्ली से सन् 2010 में प्रकाशित सहज उपलब्ध है। बदरीनाथ ने इनके तीनों संस्कृत नाटकों का आंग्लानुवाद भी किया है। जो आज उपलब्ध नहीं हैं।

शिवाजीचरितम् के प्रणेता हरिदास सिद्धान्त वागीश हैं। यह नाटक सन् 1925 में लिखा गया। इस नाटक का प्रकाशन सन् 1954 ई0 में प्राच्य वाणी प्रकाशन, कलकत्ता से हुआ। इस नाटक का सर्वप्रथम मंचन सन् 1946 में हुआ।

छत्रपतिःश्रीशिवराज के प्रणेता श्रीराम वेलणकर हैं। यह नाटक सन् 1976 में लिखा गया। इस नाटक का प्रकाशन सन् 1974 ई0 में बम्बई से हुआ। इस नाटक का कोई संस्कृत, हिन्दी या अंग्रेजी अनुवाद नहीं है। यह नाटक प्राप्त करना भी कष्टसाध्य है।

शिवराजाभिषेकम् के प्रणेता श्रीधर भास्कर वर्णेकर हैं। यह नाटक सन् 1974 ई0 में लिखा गया। इस नाटक का प्रकाशन सन् 1974 ई0 में पूना से हुआ। इस नाटक की संस्कृत टीका तो प्राप्त होती है, परन्तु हिन्दी या अंग्रेजी अनुवाद टीका प्राप्त नहीं होती है।

Scanned by CamScanner

अबदलमर्दनम् के प्रणेता चिन्तामणि रामचन्द्र शर्मा 'सहस्रबुद्धे' हैं। यह नाटक सन् 1916 ई0 में लिखा गया। इसका प्रकाशन सन् 1916 में बैंगलोर से हुआ; जो सहज उपलब्ध हैं।

नाटकों में नाटककारों द्वारा पात्र, स्थान एवं काल के विषय में जो विभिन्न मतभेद दृष्टिगत होते हैं। इस समस्या के पक्ष व विपक्ष आदि पर विचार कर सत्यता को ज्ञात करके जिज्ञासुओं की जिज्ञासा का निराकरण करना शोधार्थी का मुख्य उद्देश्य है। मुख्य उद्देश्य के साथ–साथ हमारे अन्य उद्देश्य इस प्रकार हैं–

1. पराधीनता का जीवन कितना कष्टदायक है?
2. इन नाटकों में सम्पूर्ण नाटकीय तत्त्व समाहित हैं या नहीं ?
3. इतिहास में प्राप्त कथा और नाटकों की कथा में अन्तर
4. नारी–चरित्र
5. नाटकों का लोक पर प्रभाव, आदि ।

निष्कर्ष यह है कि **''छत्रपति शिवाजी के जीवन पर आधारित नाटकों का समीक्षात्मक अध्ययन''** शोधविषय का अभी तक अध्ययन न होने से बाह्य और आन्तरिक साक्ष्यों सहित प्रमाणिकता न पाने से सभी नाटकों की ऐतिहासिक व नाटकीय तात्त्विक विवेचना न होने से और मूलतः संयुक्त रूप से किसी विद्वान् की लेखनी से इसकी समीक्षा न होने से अत्यन्त महत्त्वपूर्ण हैं और उचित भी है।

शोधकार्यों का सर्वेक्षण

छत्रपति शिवाजी के जीवन पर आधारित नाटकों पर पृथक्–पृथक् दृष्टि से शोधकार्य हुए हैं, परन्तु छत्रपति शिवाजी के जीवन पर आधारित समस्त नाटकों का

Scanned by CamScanner

समीक्षात्मक अध्ययन अद्यावधि पर्यन्त नहीं हुआ है। अतः हमारा शोध विषय मौलिक एवं नवीन है। इन नाटकों में से छत्रपतिः श्रीशिवराज और अबदलमर्दनम् पर कोई हिन्दी, अंग्रेजी अथवा संस्कृत टीका नहीं लिखी गयी है । शिवराजाभिषेकम् पर ही संस्कृत टीका प्राप्त होती है। जो नाटककार ने स्वयं लिखी है। इसका कोई हिन्दी अथवा आंग्लानुवाद अद्य पर्यन्त नहीं हुआ है । इन नाटकों पर शोधकार्यो का विवरण निम्नलिखित है–

1. हरिदास सिद्धान्त वागीश के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन

   शोधकर्ता– राजेश्वर प्रसाद शर्मा, मेरठ विश्वविद्यालय, मेरठ–1982

2. आधुनिक ऐतिहासिक संस्कृत नाटकः एक सर्वेक्षण तथा मूलशंकर माणिक्यलाल याज्ञिक के ऐतिहासिक संस्कृत नाटकों का समीक्षात्मक अध्ययन शोधकर्त्ता – अनन्त प्रकाश श्रीवास्तव

   मेरठ विश्वविद्यालय मेरठ–1992

3. छत्रपतिसाम्राज्यम् एवम् शिवाजी चरितम् का तुलनात्मक अध्ययन चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ।

3- Haridas Sahithya – Haridas Sahithya Kannada Literature

   Researcher -- C.S Varuni, Jain University – Karnataka – 2014

4. Studies in the Poetical Works of Mm Haridasa siddhant Vagisa

   Researcher – Reeta Vishwasa

   University of Calcutta – 2016

Scanned by CamScanner

5. A study of cains and seal of Chhatrapati Shivaji

Researcher – Joshi Kalpna

-Devi Ahilya Vishwavidyalaya

6. Chhatrapatisamrajyam Ka Natyashastriya Adhyan

Researcher – Ratnaprabha Pandey, V.B.S. Purvanchal University - 2005

7. Chhatrapatisamrajyam Ek Samigynathmak Adhyan

Reasearcher – Jagadeesh Chand, Himachal Pradesh University – 2010.

8. Marathi Wangmayatun Nirmaljhaleli Chatrapati Sambhaji Rajanchi Anetihasik Pratima Ek Abhyas

Researcher – Giridhar Nagarao Somwanshi.

9. Prachin Marathi Vangmayatil Chatrapati Shivaji Rajachechitran

Researcher – Shivaji Ramkrushan

Dr. Babasaheb Ambedkar Marathwada University.

शोध विषय का क्षेत्र

सर्वप्रथम नाट्य.परम्परा का परिचय होगा। तदुपरान्त इतिहास में प्राप्त छत्रपति शिवाजी से सम्बन्धित तथ्य के अन्तर्गत, जीवनपरिचय, प्रसिद्ध युद्ध, तात्कालीन परिस्थिति और प्रेरक घटनाएँ, आदि पर विचार किया जाएगा। तत्पश्चात् संस्कृत साहित्य में छत्रपति शिवाजी के जीवन पर आधारित नाटकों की परम्परा के

Scanned by CamScanner

अन्तर्गत नाटकों का विभाजन होगा। तदनन्तर छत्रपति शिवाजी के जीवन पर आधारित नाटकों का परिचय सविस्तार होगा। तदुपरान्त छत्रपति शिवाजी के जीवन पर आधारित नाटकों में भिन्नता पात्रगत, कालगत, स्थानगत एवं घटनागत वर्णन किया जाएगा। तत्पश्चात् ऐतिहासिक आधार पर नाटकों की समीक्षा, इतिहास से समानाता, भिन्नता एवं कवि की मौलिक उद्भावना का वर्णन किया जाएगा। तदुपरान्त नाटकीय तत्त्वों के आधार पर नाटकों की समीक्षा होगी। इसके पश्चात् नाटकों का लोक पर प्रभाव, शठेशाठयं समाचरेत्, देशद्रोही नरेशों के प्रति घृणा एवं निन्दा, प्रताप के जीवन से देशभक्ति, राजभक्ति, एवं मातृभक्ति,आदि की प्रेरणा की चर्चा की जाएगी।

*****

Scanned by CamScanner

शोध प्रबन्ध की रूपरेखा

छत्रपति शिवाजी के जीवन पर आधारित नाटकों का समीक्षात्मक अध्ययन''

प्रथम अध्याय

विषय–प्रवेश

1.1 अध्ययन की आवश्यकता

1.2 अध्ययन का स्वरूप

1.3 नाट्य का उद्गम एवं विकास

1.4 छत्रपति शिवाजी से सम्बन्धित ऐतिहासिक तथ्य

1.5 तत्कालीन परिस्थितियाँ

द्वितीय अध्याय

संस्कृत साहित्य में छत्रपति शिवाजी के जीवन पर आधारित नाटकों की परम्परा

2.1 आधुनिक नाटकों का विभाजन–

- 2.1.1 ऐतिहासिक नाटक
- 2.1.2 सामाजिक विषयों पर आधृत नाटक
- 2.1.3 पुराणों पर आधृत नाटक
- 2.1.4 आर्षकाव्यों पर आधृत नाटक
    - 2.1.4.1 रामायण पर आधृत नाटक
    - 2.1.4.2 महाभारत पर आधृत नाटक

2.2 स्वतन्त्रता–पूर्व रचित नाटक

2.3 स्वतन्त्रोत्तर रचित नाटक

तृतीय अध्याय

छत्रपति शिवाजी के जीवन पर आधारित प्राप्त नाटक

3.1 नाटकों का परिचय

- 3.1.1 छत्रपतिसाम्राज्यम्
- 3.1.2 शिवाजीचरितम्

Scanned by CamScanner

शोध प्रबन्ध की रूपरेखा

छत्रपति शिवाजी के जीवन पर आधारित नाटकों का समीक्षात्मक अध्ययन''

प्रथम अध्याय

विषय–प्रवेश

1.1 अध्ययन की आवश्यकता

1.2 अध्ययन का स्वरूप

1.3 नाट्य का उद्‌गम एवं विकास

1.4 छत्रपति शिवाजी से सम्बन्धित ऐतिहासिक तथ्य

1.5 तत्कालीन परिस्थितियाँ

द्वितीय अध्याय

संस्कृत साहित्य में छत्रपति शिवाजी के जीवन पर आधारित नाटकों की परम्परा

2.1 आधुनिक नाटकों का विभाजन–

2.1.1 ऐतिहासिक नाटक

2.1.2 सामाजिक विषयों पर आधृत नाटक

2.1.3 पुराणों पर आधृत नाटक

2.1.4 आर्षकाव्यों पर आधृत नाटक

2.1.4.1 रामायण पर आधृत नाटक

2.1.4.2 महाभारत पर आधृत नाटक

2.2 स्वतन्त्रता–पूर्व रचित नाटक

2.3 स्वतन्त्रोत्तर रचित नाटक

तृतीय अध्याय

छत्रपति शिवाजी के जीवन पर आधारित प्राप्त नाटक

3.1 नाटकों का परिचय

3.1.1 छत्रपतिसाम्राज्यम्

3.1.2 शिवाजीचरितम्

Scanned by CamScanner

3.1.3. छत्रपतिःश्रीशिवराज

3.1.4 शिवराजाभिषेकम

3.1.5 अबदलमर्दनम्

3.1.6 छत्रपतिचरितम्

3.1.7 अन्य सम्बन्धित नाटक

चतुर्थ अध्याय

छत्रपति शिवाजी के जीवन पर आधारित नाटकों की परस्पर तुलनात्मक समीक्षा

4.1 ऐतिहासिक आधार पर
- 4.1.1 समानता
- 4.1.2 विभिन्नता

4.2 कथानक के आधार पर
- 4.2.1 पात्र के आधार पर
- 4.2.2 काल के आधार पर
- 4.2.3 स्थान के आधार पर
- 4.2.4 घटना के आधार पर

4.3 नाटकों में कवि की मौलिक उद्भावना

पञ्चम अध्याय

नाटकों का वस्तु संविधान तथा चरित्र–चित्रण

5.1 नाटकों में कथावस्तु का संगठन

5.2 कथावस्तु की नाट्य–शास्त्रीय दृष्टि से समीक्षा

- 5.2.1 भारतीय समीक्षा
- 5.2.2 पाश्चात्य समीक्षा

5.3 नाट्य संधियों का प्रयोग

5.4 अन्य नाटकीय तत्त्व

5.5 चरित्र–चित्रण,

- 5.5.1 पुरुषपात्र
- 5.5.2 स्त्रीपात्र
- 5.5.3 अन्य पात्र

Scanned by CamScanner

षष्ठ अध्याय

नाटकों में रस एवं भाव की अभिव्यक्ति

6.1 नाट्य में रस का मूल उत्स

6.1.1 विभाव

6.1.1.1 आलम्बन विभाव

6.1.1.2 उद्दीपन विभाव

6.1.2 अनुभाव

6.1.2.1 कायिक अनुभाव

6.1.2.2 वाचिक अनुभाव

6.1.2.3 आहार्य अनुभाव

6.1.2.4 सात्विक अनुभाव

6.1.3 व्यभिचारी–भाव

6.1.4 स्थायीभाव का स्वरूप और संख्या

6.2 नाटकों का अङ्गी रस

6.3 अन्य अङ्गीभूत रस

6.4 भाव, भावाभास, रस, रसाभास, भावशान्ति, भावोदय, भावशबलता, आदि।

सप्तम अध्याय

कलात्मक एवं भावात्मक सौन्दर्य

7.1 कलात्मक सौन्दर्य

7.1.1 भाषा–शैली

7.1.2 गुण

7.1.3 रीति

7.1.4 अलङ्कार

7.1.4.1 शब्दालंकार योजना

7.1.4.2 अर्थालंकार योजना

7.1.5 छन्द

7.1.5.1 वृत्त योजना

7.1.5.2 जाति योजना

Scanned by CamScanner

7.1.6 व्याकरणात्मक प्रयोग

7.2 भावात्मक सौन्दर्य

7.2.1 प्रकृति–चित्रण

7.2.2 प्रकृति का मानवीकरण

अष्टम अध्याय

शिवाजी पर आधारित नाटकों में तत्कालीन परिस्थितियों का चित्रण

8.1 सामाजिक तत्त्व

8.2 राजनीतिक परिस्थिति

8.3 धार्मिक परिस्थिति

8.4 साहित्यिक परिस्थिति

8.5 आर्थिक परिस्थिति

8.6 तत्कालीन समाज में दार्शनिक पृष्ठभूमि

नवम अध्याय

शिवाजी पर आधारित नाटकों का लोक पर प्रभाव

9.1 राष्ट्रीय चेतना की प्रेरणा–

9.2 शठेशाठयं समाचरेत् की प्रेरणा

9.3 देशद्रोही भारतीय नरेशों के प्रति घृणा एवं निन्दा की प्रेरणा

9.4 छत्रपति शिवाजी के जीवन से प्रेरणा

9.5 देशभक्ति की प्रेरणा

9.6 प्रेरणाएँ

9.6.1 राजभक्ति

9.6.2 गुरुभक्ति

9.6.3 मातृभक्ति

9.6.4 पितृभक्ति

9.6.5 अन्य प्रेरणाएँ

परिशिष्ट

उपसंहार
सूक्तियाँ एवं लोकोक्तियाँ
सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

*****

Scanned by CamScanner

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

मूल ग्रन्थ

1	छत्रपतिसाम्राज्यम्	मूलशंकर माणिक्यलाल याज्ञिक श्री बड़ौदा प्रिन्टिंग प्रेस, बड़ौदा सन् 1929।
2	शिवाजीचरितम्	हरिदास सिद्धान्त 'वागीश', प्रकाशन सन् 1954 ई0 प्राच्यवाणी प्रकाशन कलकत्ता।
3	छत्रपतिःश्रीशिवराजः	श्रीराम वेलणकर सन् 1973 प्रकाशन देववाणी मन्दिर इन्दिरा निवास, मुम्बई।
4	शिवराजाभिषेकम्	श्री भास्कर वर्णोकर सन् 1974, शारदा गौरव ग्रन्थमाला
5	अवदलमर्दनम्	चिन्तामणि रामचन्द्र सहस्रबुद्धे सन् 1916
6	छत्रपति शिवाजी	उमाशंकर शर्मा त्रिपाठी
7	श्री शिवाजी महाराज चरितम्	श्री पादशास्त्री हसूरकरः मालवा स्टेशनरी एण्ड प्रिन्टिंग वर्क, इन्दौर
8	श्री शिवाजीविजयम्	रंगाचार्य, संस्कृत साहित्य परिषद् सन् 1938
9	श्री शिवराज्योदयम्	श्रीधर भास्कर वर्णेकरः शारदा मुद्रणसिद्धि मन्दिर पुणे सन् 1972
10	छत्रपति शिवाजी	एस0वी वेलणकर
11	मूलशंकरनाट्यत्रयी	संयोगितास्वयवरम्, छत्रपतिसाम्राज्यम्, पृतापविजयम् राजेन्द्र नाणावटी, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान इन्स्टीटयूटशन एरिया, जनकपुरी दिल्ली संस्करण सन् 2010

12 हेमचन्द्र भट्टाचार्यकृत हरिदास सिद्धान्त वागीश का संक्षिप्त जीवन–परिचय, 41 देवले न0 एण्टाली कलकत्ता

13 A short life sketch of Haridasa Siddhant Vagisa By Hemchandra Bhattacharya, 41 Devale No. Antali Culcutta.

Scanned by CamScanner

सहायकग्रन्थ

1. संस्कृत नाटकों में राष्ट्रीय–चेतना – सुखनन्दन, शुभी प्रकाशन। चित्रावार मऊ चित्रकूट । उ0प्र0

2. संस्कृत साहित्य में राष्ट्रीय-भावना – हरिनारायण दीक्षित, देववाणी परिषद्, दिल्ली

3. विंशतिशताब्धादिकं संस्कृत नाटकम् – रामजी उपाध्याय, सागर म0प्र0 सन् 1986

4. अर्वाचीन संस्कृत सहित्य परिचय– सम्पादक–रमाकान्त शुक्लः देववाणी परिषद्, आर–6 वाणी विहार नई दिल्ली, प्रथम संस्करण सन् 1990

5. आधुनिक संस्कृत नाटकम्– रामजी उपाध्याय, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी

6. आधुनिक संस्कृत साहित्यानुशीलनम्– सम्पादक–रामजी उपाध्याय : संस्कृत –परिषद् सागर विश्वविद्यालय सागर, मध्य प्रदेश वि0सं0 –2022

7. संस्कृत साहित्य :– बीसवीं शताब्दी– राधावल्लभ त्रिपाठी, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, नवदेहली उ0प्र0

पत्रिकाएँ

1. विश्व संस्कृतम्– वैदिक शोध संस्थान होशियारपुर, पंजाब सन् 1985

2. अर्वाचीन संस्कृतम्– सम्पादक– उमाकान्त शुक्ल, देववाणी परिषद दिल्ली सन् 1985 मार्च

3. सागरिका– सागर विश्वविद्यालय सागर, मध्यप्रदेश 1991

4. International Journal of Sanskrit Research – Ananta

सम्पादक– देवेश कुमार मिश्र –2014

5. दृक – सम्पादक –शिवकुमार मिश्र – इलाहाबाद

6. शोध नवनीत – सम्पादक – अवधेश प्रतापसिहं – गोण्डा

7. संस्कृत विमर्शः – राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय, नवदेहली

8. सुसंस्कृतम् –सम्पादक – हरिप्रसाद अधिकारी, वाराणसी

9. संस्कृत रत्नाकरः– रमाकान्त गोस्वामी, नई दिल्ली

10. संस्कृत वर्तमानपत्रम् – प्रफुल्ल पुरोहित, प्रतापगंज वडोदरा

11. विश्वस्य वृत्तान्तम् – एस0एन0 संजेलीवाला, सूरत, गुजरात

12. साहित्यामृतम् – साधना, इस्माइल डिग्री कालिज, मेरठ उ0प्र0

Scanned by CamScanner

कोष ग्रन्थ

1. अमरकोष–अमर सिंह, जोशी कन्हैन्यालाल, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, वर्ष–1977
2. शब्दकल्पद्रुम–राधाकान्त देव मोतिलाल बनारासीदास, प्रकाशन गुम्बई सन् 1965
3. वाचस्पत्यम्–तारानाथ वाचस्पति भटटाचार्य, बनारासीदास, प्रकाशन गुम्बई सन् 1965
4. संस्कृत इंग्लिश डिक्शनरी–विल्सन (1819)
5. संस्कृत इंग्लिश डिक्शनरी–मोनियर विलियम्स (1819)
6. संस्कृत हिंदी शब्दकोश –वामन शिवराम आप्टे, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
7. प्राचीन संस्कृत कोश–पुरुषोत्तम, संजय प्रकाशन, नई दिल्ली, 2005

इतिहास से सम्बन्धित ग्रन्थ

1	दिल्ली–साम्राज्यम्	लक्ष्मणसूरि, कलकत्ता सन् 1911
2	प्राचीन भारत में जनपद	राज्यसुदामा मिश्र, काशी विद्यापीठ, वाराणसी सन् 1972
3	मध्यकालीन भारतीय संस्कृति	के0एल0 खुराना, लक्ष्मी नारायण अग्रवाल, आगरा सन् 1985
4	मध्यकालीन भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति	उमाशंकर मेहरा, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा सन् 1985
5	मराठों का नवीन इतिहास	गोविन्द सखाराम सडेसाईं, शिवलाल अग्रवाल एण्ड कं0 आगरा–3 संस्करण सन् 1976
6	मुगलकालीन भारत	आशीर्वादलाल श्रीवास्तव, शिवलाल अग्रवाल एण्ड कम्पनी, आगरा–3 सन् 1965
7	मुगलकालीन भारत का इतिहास	मेतीलाल भार्गव, मीनाक्षी प्रकाशन मेरठ सन् 1983
8	भारत में मुस्लिम शासन का इतिहास	एस0 आर0 शर्मा, लक्ष्मी नारायण अग्रवाल, आगरा सन् 1987

Scanned by CamScanner